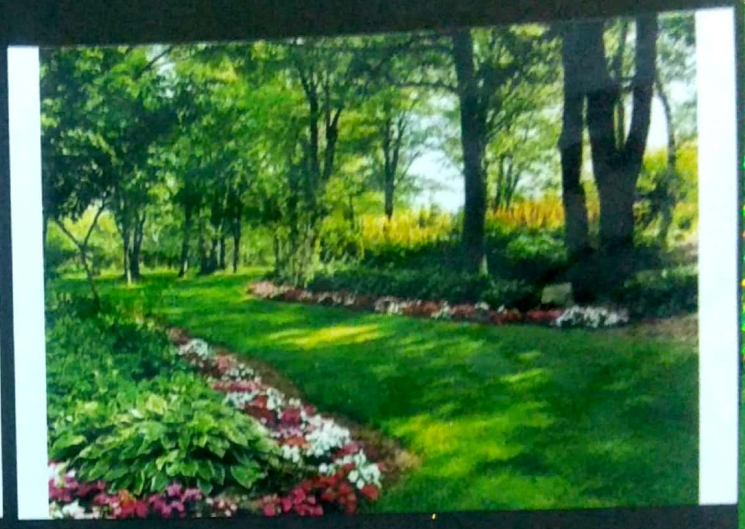

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

बागवानी का अर्थ :-

उद्यान विज्ञान एक व्यवहारिक या प्रायोगिक विज्ञान है जिसके अंतर्गत फल, सब्जी एवं शोभायमान पुष्पों एवं पौधों के उत्पादन, उपयोग फल, उन्नति एवं परीक्षण का अध्ययन किया जाता है। उद्यान विज्ञान को उद्यानिकी। उद्यान कृषि भी कहते है। फल, वृक्षों, औषधियो तथा शोभादार वृक्षों तथा पौधों के वृद्धि करने, फूलने तथा फलने के लिए आवश्यक कृषि क्रियाओं का इस विषय के अंतर्गत किया जाता है जिसे उद्यानकीय क्रिया कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

वेबी के मानक विश्वकोष उद्यान के अनुसार –

"पुष्प, फल, सब्जियों तथा शोभायमान और आकर्षक पौधों के उगाने को उद्यान विज्ञान कहते हैं।"

उद्यान विज्ञान को अंग्रेजी में हर्टीकल्चर कहते हैं यह शब्द लैटिन भाषा के शब्द हार्टस तथा कोलेर से बना है जिसमें हार्टस का अर्थ चारों ओर से घिरा हुआ स्थल होता है तथा कोलेर का अर्थ उगाना से उगाना होता है अर्थात् ऐसा स्थान जो चारों ओर से सुरक्षित हो, जिसे विशेष ध्यान एवं परिश्रम से उगाना है। प्राकृतिक रूप से पायी जाने वाली वनस्पतियों की प्रकृति भिन्न होती है इनके बढ़ने, फूलने तथा फलने की प्रकृति अलग-अलग होता है। अलग-अलग समय में वृद्धि करने, फूलने फलने का गुण, विशिष्ट वातावरण की आवश्यकता, आकार की विभिन्नता, अनुकूल या प्रतिकूल वातावरण के प्रति अलग-अलग संवेदनशीलता आर्थिक तथा सामाजिक उपयोगिता व विभिन्नता आदि ऐसी महत्वपूर्ण प्राकृतिक विशेषताएँ हैं, जिन्हें उद्यान विज्ञान के अंतर्गत अध्ययन कर इनका अधिकाधिक उपयोग किया जा सकता है। इन्हीं प्राकृतिक विभिन्नताओं के कारण समस्त वनस्पति को जो मानव के लिए उपयोगी हो फल, सब्जियों तथा शोभायमान पुष्पों तथा पौधों के अंतर्गत अलग-अलग रूपों में अध्ययन किया जाता है। उपयुक्त अध्ययन के साथ ही उन्हें खराब होने से बचाने तथा सुरक्षित रखने का भी अध्ययन किया जाता है। इसके साथ ही फल तथा सब्जियों से विभिन्न प्रकार के परिरक्षित पदार्थ भी विकसित किए जाते हैं।

Scanned with CamScanner

उद्यान विज्ञान का महत्व :-

स्वस्थ जीवन के लिए भोजन और वस्त्र एवं वह जैसी प्राथमिक आवश्यकताओं के साथ-साथ सुन्दर एवं स्वच्छ वातावरण भी आवश्यक है। यह तभी संभव है जब जन सामान्य में वातावरण को सुन्दर बनाने में अभिरूचि उत्पन्न हो जिस सुन्दर धरती पर हम रह रहे हैं उस धरती की सुन्दरता और प्राकृतिक सन्तुलन का ध्यान रखना हम सभी का कर्तव्य है। विश्व एक सुन्दर फुलवारी है और मनुष्य इसका सर्वोत्कृष्ट पुष्प है। इस विषय का प्रमुख उद्देश्य उद्यान, बागवानी के प्रति लोगों में उत्साह एवं लगाव उत्पन्न किया जा सके जिससे समाज को मनोहारी उपवन एवं सुन्दर स्वच्छ पर्यावरण उपहार में मिल सके। सजा संवरा उद्यान लोगों को आत्मिक शांति तो देगा ही साथ ही साथ आनन्द की वृद्धि भी होगी, उसकी कल्पना हम तभी कर सकेंगे जब स्वयं हम सुन्दर उद्यान का निर्माण करेंगे। उद्यान विज्ञान वर्तमान में करोड़ों व्यक्तियों की आजीविका का साधन बन गया है देश को समृद्ध बनाने में बागवानी का बहुत बड़ा महत्व है।

बागवानी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय बागवानी मिशन के सक्रिय प्रयासों के कारण देश विश्व में नारियल, सुपारी, काजू, अदरक, हल्दी एवं काली मिर्च आदि के सबसे बड़े और फल तथा सब्जियों के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक के रूप में स्थान प्राप्त कर चुका है। काजू के निर्यात में देश का विश्व में प्रथम स्थान है। भारतीय कृषि के विकास को प्रोत्साहित करने में बागवानी की संभावनाओं और क्षमताओं को देखते हुए केन्द्र द्वारा प्रायोजित बागवानी मिशन शुरू कर मई २००४ से इसे प्रभावी कर दिया गया।

Scanned with CamScanner